रणजीत टाइम्स

इंदौर

गुरुवार, 13 अगस्त, 2026

वर्ष 02 | अंक 194 कुल पृष्ठ : 8 | Digital

RNI-NO.MPHIN/2015/64585

प्रधान संपादक : गोपाल गावंडे

'शॉर्टकट' से दूर रहें 'रील युग' में रह रहे युवा

● पीएम मोदी ने जेन जी को दे दिया बड़ा खास मैसेज ● पूर्व राष्ट्रपति कोविंद की आत्मकथा का किया विमोचन

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने युवाओं से आत्मकथाएं पढ़ने और दूसरों के संघर्षों से सीखने की अपील की। उन्होंने कहा कि 'रील के युग' में रह रहे युवाओं को याद रखना चाहिए कि शॉर्टकट आपको नुकसान पहुंचा सकता है। पीएम मोदी ने पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की आत्मकथा 'ट्रायम्फ ऑफ द इंडियन रिपब्लिक' माय लाइफ, माय स्ट्रगल्स' के विमोचन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि कोविंद का जीवन दिखाता है कि दृढ़ संकल्प किसी व्यक्ति को मुश्किलों से उबरने और सर्वोच्च संवैधानिक

पद तक पहुंचने में कैसे मदद कर सकता है। प्रधानमंत्री ने राष्ट्रपति पद छोड़ने के बाद भी कोविंद के लगातार सार्वजनिक जीवन में सक्रिय रहने का जिक्र करते हुए कहा कि पद छोड़ने के बाद भी उन्होंने आराम नहीं किया। पूर्व राष्ट्रपति कोविंद एक राष्ट्र, एक चुनाव पहल पर काम कर रहे हैं, जो भारतीय लोकतंत्र में एक नया अध्याय खोल सकती है। पीएम मोदी ने कहा कि इस मुद्दे पर पूर्व राष्ट्रपति के प्रयास भारतीय लोकतंत्र को मजबूत करने में उनके निरंतर योगदान का हिस्सा हैं।

कोविंद के जीवन और संघर्ष का किया जिक्र

पीएम मोदी ने कहा कि आत्मकथा का शीर्षक बिल्कुल सही है क्योंकि रामनाथ कोविंद का जीवन और संघर्ष भले ही व्यक्तिगत थे, लेकिन उन संघर्षों की जीत भारतीय लोकतंत्र की है। उन्होंने याद किया कि बचपन में घर का सामान बचाने की कोशिश के दौरान लगी आग में कोविंद ने अपनी मां को खो दिया था। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह दुखद घटना कोविंद को तोड़ सकती थी लेकिन इसके बजाय इसने उन्हें और मजबूत बनाया। पीएम मोदी ने कहा कि कोविंद में अच्छे संस्कार डालने में उनके पिता की अहम भूमिका रही। प्रधानमंत्री ने कोविंद के साथ की बात याद की।

प्रधानमंत्री का मैसेज- शॉर्टकट विल कट यू शॉर्ट

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आज रील का जमाना है, सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर आपको कहीं न कहीं खींच ले जाते हैं लेकिन इस दौर में भी, रेलवे स्टेशन पर लिखी बात याद रखें। 'शॉर्ट कट' आपको नुकसान पहुंचा सकता है। पीएम मोदी की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब सरकार और सत्तारूढ़ बीजेपी ने सोशल मीडिया पर 'जेन जी' से जुड़ने की कोशिशें तेज कर दी हैं। नीट पेपर लीक होने के खिलाफ पिछले महीने हुए विरोध-प्रदर्शनों के बाद प्रधानमंत्री ने अपने मंत्रियों से कहा था कि वे युवाओं से जुड़ने के लिए इंस्टाग्राम का सक्रिय रूप से इस्तेमाल करें और रील 'पोस्ट' करें। हाल के हफ्तों में पीएम मोदी ने स्वयं युवाओं को संबोधित करते हुए कई बार रील साझा की हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि कोविंद की आत्मकथा भारतीय लोकतंत्र की धरोहर बनेगी और नयी पीढ़ी को इससे बहुत कुछ सीखने को मिलेगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि हमें भविष्य में और ऐसे कई युवाओं की जरूरत है जो कोविंद जी की तरह हों।

आईएसआई से जुड़ा पाकिस्तानी जासूस बांग्लादेश बॉर्डर से गिरफ्तार

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल एसटीएफ ने बुधवार को भारत-बांग्लादेश बॉर्डर से संदिग्ध पाकिस्तानी आतंकी को गिरफ्तार किया। उसके पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी इंटर-सर्विसेज इंटेलीजेंस से संबंध हैं। वह

जासूसी और आतंकी गतिविधियों में शामिल रहा है। एसटीएफ सूत्रों के अनुसार आतंकी की पहचान राना रऊफ के रूप में हुई है। भारत में वहाब आलम के नाम से रह रहा था। बांग्लादेश भागने की कोशिश में था। उसे 24 परगना जिले के बनगांव से गिरफ्तार किया गया। सूत्रों के अनुसार, रऊफ मूल रूप से पाकिस्तान के फैसलाबाद का रहने वाला है। वह 2012 में नेपाल के रास्ते भारत आया था। इसके बाद से पश्चिम बंगाल में रहने लगा।

निवेश से गुजरात-एमपी के संबंध होंगे और प्रगाढ़ः सीएम

● डॉ. मोहन यादव बोले-युवाओं को मिलेंगे रोजगार के अच्छे अवसर ● पीएम मित्र पार्क में 1200 करोड़ के निवेश से विकास को मिलेगी गति

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि गुजरात के साथ मध्यप्रदेश के संबंधों को और प्रगाढ़ करते हुए अरविंद समूह द्वारा मध्यप्रदेश में भी अपनी इकाई स्थापित की जा रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की परिकल्पना के अनुरूप पीएम मित्र पार्क में अगले वर्ष तक उत्पादन प्रारंभ करने का लक्ष्य है। इससे प्रदेश के युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अरविंद समूह द्वारा 3 स्थानों पर अपनी इकाइयां स्थापित की जा रही हैं। इनमें देवास के निकट बरलाई, धार स्थित पीएम मित्र पार्क और इंदौर का बेटमा शामिल हैं। कंपनी इन स्थानों के साथ-साथ अन्य क्षेत्रों में भी कार्य कर रही है। इन औद्योगिक गतिविधियों के विस्तार से प्रदेश में युवाओं के लिये रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यह बात बुधवार को गुजरात के अहमदाबाद में अरविंद लिमिटेड के वाइस चेयरमैन कुलीन लालभाई से चर्चा के बाद कही।

प्रदेश के विकास को मिलेगी और गति

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि गुजरात और मध्यप्रदेश के बीच सहयोग से दोनों राज्यों के संबंध और अधिक प्रगाढ़ होंगे। औद्योगिक निवेश से एक ओर जहां प्रदेश के युवाओं को रोजगार मिलेगा, वहीं दूसरी ओर उद्योगों से प्राप्त होने वाले कर राजस्व से राज्य के विकास के लिए अतिरिक्त संसाधन उपलब्ध होंगे। इससे प्रदेश के विकास को और गति मिलेगी। उन्होंने इस पहल के लिए अरविंद समूह को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। मध्यप्रदेश में कंपनी के प्रस्तावित निवेश, पीएम मित्र पार्क में उद्योग की स्थापना, रोजगार सृजन, वस्त्र एवं परिधान (टेक्सटाइल) क्षेत्र में निवेश, औद्योगिक क्षेत्रों में जल के पुनः उपयोग के लिए विभिन्न विषयों पर विचार-विमर्श हुआ।

पीएम मित्र पार्क में 1200 करोड़ रुपए का निवेश प्रस्तावित

अरविंद लिमिटेड द्वारा पीएम मित्र पार्क में लगभग 1200 करोड़ रुपए का निवेश प्रस्तावित है। इसके लिए कंपनी को 105 एकड़ भूमि आवंटित की गई है। इंदौर में संचालित पेपकोन प्रायवेट लिमिटेड के साथ कंपनी के अनुबंध के तहत प्रतिवर्ष लगभग 70 लाख परिधानों का निर्माण किया जाता है मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पीएम मित्र पार्कमें उद्योग की स्थापना और निवेश प्रक्रिया को गति देने पर चर्चा की। सीसीआईपी के अंतर्गत आवेदन प्रक्रिया शीघ्र पूर्ण करने तथा शासन स्तर पर प्रस्ताव के त्वरित परीक्षण एवं अनुमोदन की दिशा में आवश्यक कार्यवाही पर भी विचार-विमर्श हुआ। वस्त्र एवं परिधान उद्योगों के लिए उपलब्ध निवेश प्रोत्साहनों की जानकारी भी दी गई।

भोपाल में ध्वजारोहण करेंगे सीएम

एमपी में पंचायतों से जिलों तक में होंगे गरिमामय आयोजन

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव राजधानी भोपाल के लाल परेड ग्राउण्ड पर 15 अगस्त 2026 को होने वाले स्वतंत्रता दिवस के राज्य स्तरीय समारोह में ध्वजारोहण कर परेड की सलामी लेंगे और प्रदेश की जनता को संबोधित करेंगे। पुलिस, एसएएफ, सीआईएसएफ, जेल गार्ड, होम गार्ड, एनसीसी एवं स्काउट गाइड्स की संयुक्त परेड आयोजित की जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव को संयुक्त परेड द्वारा गार्ड ऑफ ऑनर दिया जाएगा। मुख्य समारोह के पहले मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा शौर्य स्मारक में शहीदों को श्रद्धांजलि दी जायेगी। सामान्य प्रशासन विभाग ने राज्य स्तर के साथ ही जिला, जनपद पंचायत और ग्राम पंचायत मुख्यालयों पर स्वतंत्रता दिवस समारोह को गरिमामय रूप से आयोजित करने के लिए परिपत्र जारी किया है। स्वतंत्रता दिवस पर 15 अगस्त को राज्य स्तर, जिला, जनपद पंचायत, ग्राम पंचायत मुख्यालयों पर कार्यक्रम होंगे। जिला स्तर पर कार्यक्रम का आयोजन प्रातः 9.00 बजे से किया जाएगा, जिसमें विधानसभा अध्यक्ष/मंत्रीगण और कलेक्टर द्वारा ध्वजारोहण पश्चात राष्ट्रगान का गायन किया जाएगा एवं परेड की सलामी ली जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ.यादव द्वारा स्वतंत्रता दिवस संदेश का वाचन प्रातः 9.25 से 9.55 बजे तक किया जाएगा, जिसका सीधा प्रसारण राज्य स्तरीय मुख्य समारोह, भोपाल से जिला स्तर पर किया जाएगा।

भारी बारिश से पानी-पानी हुए एमपी और राजस्थान

कई जगह बाढ़ जैसे हालात, काशी में 100 मंदिर डूबे

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट में पानी भरा,हालात बदतर

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के मध्य और पूर्वी हिस्से में मानसून ऐक्टिव है। मध्यप्रदेश, राजस्थान के कई इलाकों में लगातार तीसरे दिन भारी बारिश से हालात खराब हैं। इसकी वजह तीन मानसूनी सिस्टम हैं। इनके कारण अरब सागर और बंगाल की खाड़ी से बड़ी मात्रा में नमी आ रही है। भोपाल में बुधवार को लगातार तीसरे दिन स्कूलों में छुट्टी है। यहां दो दिनों में 8.57 इंच बारिश हुई। करीब

200 मकानों में ढाई फीट तक पानी भर गया। रतलाम, झाबुआ, धार, बड़वानी और इंदौर में अगले 24 घंटे में यहां 4 इंच से ज्यादा बारिश का अनुमान है। उधर, राजस्थान में खोखी बांध की दीवार टूटने से 300 बीघा फसल खराब हो गई है। कोटा में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे की टनल के एक हिस्से में दो-तीन फीट तक पानी भरा हुआ है। वहीं, उत्तर प्रदेश में पिछले 2 दिनों से भारी बारिश हो रही है। इसके चलते जेवर में बने नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर मंगलवार को पानी भर गया था।

यूपी में उफनाती नदी में स्कॉर्पियो सवार 6 लोग बहे

पहाड़ों पर हो रही जोरदार बारिश से यूपी में गंगा, यमुना और शारदा समेत 10 नदियां उफान पर हैं। सहारनपुर में शाहपुर गाड़ा नदी पर बना पुल डूब गया। मंगलवार शाम को पुल पर स्कॉर्पियो कार फंस गई। स्कॉर्पियो सवार 6 लोग कार सहित बहने लगे। किसी तरह कार से कूदकर लोगों अपनी जान बचाई। बाद में आसपास के लोगों ने ट्रैक्टर से कार बाहर निकाली। वाराणसी में घाटों की सीढ़ियों तक पानी पहुंच गया है। सभी 84 घाटों को आपस में जोड़ने वाले रास्ते जलमग्न हो गए हैं। 100 से ज्यादा छोटे मंदिर डूब गए हैं। मणिकर्णिका घाट पर 50 फुट ऊंचा रत्नेश्वर महादेव मंदिर आधे से ज्यादा डूब चुका है। सिर्फ गुंबद दिखाई दे रहा। हरिश्चंद्र घाट पर शवदाह स्थल डूब गया है। घाट की ऊपरी सीढ़ियों पर चिताएं जलाई जा रही हैं। उन्नाव में गंगा का जलस्तर खतरे के निशान के करीब पहुंच गया है। कॉलोनियों में नदी का पानी घुसने से गलियों में नावें चल रही हैं। वहीं, फर्रुखाबाद और बिजनौर के 45 गांव बाढ़ की चपेट में हैं। अब तक 31 घर गंगा नदी में समा चुके हैं। मथुरा और आगरा में यमुना नदी का पानी घाटों की सीढ़ियां डूब गई हैं। वृंदावन में केशीघाट का परिक्रमा मार्ग जलमग्न हो गया है।

कांवड़ में डीजे और रील्स

भक्ति बदली है या उसका सिर्फ चेहरा?

रणजीत टाइम्स
info@ranjeettimes.com

कांवड़ यात्रा सदियों से आस्था, तप, अनुशासन और संकल्प की यात्रा रही है। हरिद्वार, गोमुख और दूसरे पवित्र स्थलों से गंगाजल लाकर शिवालय में अर्पित करने की परंपरा आज भी कायम है। लेकिन यात्रा का दृश्य बदल गया है। डीजे की तेज आवाज, सजी-धजी कांवड़ें, मोटरसाइकिलों के काफिले और मोबाइल कैमरों में कैद होती हर गतिविधि ने कांवड़ यात्रा को नया रूप दे दिया है।

सवाल उठना स्वाभाविक है—क्या भक्ति कम हुई है या केवल उसकी अभिव्यक्ति बदल गई है? इस सवाल का जवाब शायद डीजे या मोबाइल में नहीं, बल्कि भक्त की नीयत में छिपा है। सनातन परंपरा स्थिरता नहीं, निरंतरता और परिवर्तन दोनों को स्वीकार करती है। शिव स्वयं इस परिवर्तन के सबसे बड़े प्रतीक हैं। वे आदियोगी भी हैं और नटराज भी। उनका स्वरूप हमें बताता है कि समय बदलता है, समाज बदलता है और पूजा-अर्चना की अभिव्यक्ति भी बदल सकती है। जिस भक्ति को कभी ढोल-मंजीरों, लोकगीतों और कीर्तन के जरिए व्यक्त किया जाता था, वही आज डीजे और डिजिटल माध्यमों में दिखाई दे रही है। किसी युवा का कांवड़ लेकर सैकड़ों किलोमीटर पैदल चलना और उस यात्रा को अपने मोबाइल से साझा करना जरूरी नहीं कि उसकी श्रद्धा को कम कर दे। लेकिन यहां एक सीमा रेखा भी है। भक्ति की स्वतंत्रता वहां खत्म होती है, जहां से दूसरे लोगों की परेशानी शुरू होती है। तेज आवाज से बुजुर्ग, बीमार और बच्चों को परेशानी हो, यातायात बाधित हो, रास्ते रोक दिए जाएं या धार्मिक उत्साह कानून और अनुशासन की सीमा तोड़ने लगे तो सवाल डीजे या रील का नहीं, आचरण का है।

कांवड़ यात्रा तपस्या है या प्रदर्शन—यह तय करने का अधिकार किसी दूसरे को नहीं। लेकिन हर भक्त को खुद से यह सवाल जरूर पूछना चाहिए कि वह शिव तक पहुंचने निकला है या अपने प्रदर्शन को लोगों तक पहुंचाने? सोशल मीडिया पर यात्रा साझा करना गलत नहीं। अपने विश्वास को सार्वजनिक रूप से व्यक्त करना भी गलत नहीं।

समस्या तब पैदा होती है जब भक्ति पीछे छूट जाए और दिखावा आगे निकल जाए। शिव को शोर से नहीं, भाव से प्रसन्न करने की परंपरा रही है। इसलिए कांवड़ यात्रा का नया रूप स्वीकार किया जा सकता है, लेकिन उसके मूल में मौजूद संयम, अनुशासन, सेवा और समर्पण कमजोर नहीं होना चाहिए। आखिर शिव भक्त के हाथ में कांवड़ से ज्यादा उसके मन का भार देखते हैं। यात्रा का कलेवर बदल सकता है, साधन बदल सकते हैं, पीढ़ी की भाषा बदल सकती है—लेकिन भक्ति का अर्थ नहीं बदलना चाहिए।

एक बड़ा उद्यम बना मिलावटखोरी

रणजीत टाइम्स
info@ranjeettimes.com

बेंगलुरु को भारत की सिलिकॉन वैली कहा जाता है। यह शहर अपनी अंतरराष्ट्रीय पहचान स्थापित करने में सफल रहा है, लेकिन एक लंबे समय से ट्रैफिक जाम के लिए कुख्यात भी है। बीते दिनों यह इसलिए भी कुख्यात हुआ कि यहां के कई होटलों, रेस्त्रां, पब आदि में सड़ा-गला और बासी खाना पाया गया। ये प्रीमियम कहे जाने वाले नामी होटल, रेस्त्रां, पब हैं।

फूड सेफ्टी विभाग ने कई होटलों, रेस्त्रां और पब में छापेमारी के दौरान दोयम दर्जे का जो खराब खाना पाया, वह अच्छी-खासी मात्रा में था। इसमें मांस, सब्जियां, तेल, बेकरी एवं डेरी उत्पाद आदि थे। कुछ खाद्य सामग्री तो इतनी खराब थी कि उसे नष्ट करना पड़ा। जब नामी यानी महंगे होटलों, रेस्त्रा, पब में खराब और बासी खाद्य सामग्री का उपयोग किया जा रहा हो तो आम होटलों, रेस्त्रां और फुटपाथ किनारे की दुकानों में खाने-पीने की सामग्री की गुणवत्ता का अनुमान सहज ही लगाया जा सकता है। ऐसे किसी निष्कर्ष पर पहुंचना खुद को धोखे में रखना होगा कि बेंगलुरु के होटलों, रेस्त्रां आदि में अस्वास्थ्यकर खाने-पीने की सामग्री मिलना एक अपवाद हो सकता है। प्रबल आसार यही हैं कि जैसी खराब खाद्य सामग्री बेंगलुरु के होटलों, रेस्त्रां, पब में मिली, वैसी ही देश के अन्य शहरों के ऐसे ही ठिकानों में मिल सकती है। ऐसा तभी होगा, जब इन ठिकानों पर खाद्य सामग्री की परख करने के लिए छापेमारी की जाएगी। अभी तो यह रस्मी तौर पर ही होती है।

खाने-पीने की सामग्री में मिलावटखोरी के मामले में बेंगलुरु जैसा हाल शेष देश में भी है, इसका अनुमान उन खबरों से लगाया जा सकता है, जो यह बताती हैं

प्रभास की व्यस्तता से फिर अटका 'कल्कि 2' का काम? फौजी और स्पिरिट के बीच फंसा शेड्यूल

रणजीत टाइम्स
info@ranjeettimes.com

साउथ सुपरस्टार प्रभास की फिल्मों की लंबी कतार का असर अब 'कल्कि 2898 एडीः पार्ट 2' पर भी पड़ता दिखाई दे रहा है। प्रभास इस समय 'फौजी' और 'स्पिरिट' की शूटिंग में व्यस्त हैं, जिसके चलते 'कल्कि 2' के शेड्यूल को लेकर नई चर्चाएं शुरू हो गई हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, 'फौजी' की शूटिंग और रिलीज की तैयारियों के बाद प्रभास को संदीप रेड्डी वांगा की फिल्म 'स्पिरिट' के लिए समय देना है। ऐसे में नाग अश्विन की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'कल्कि 2' की शूटिंग छोटे-छोटे शेड्यूल में आगे बढ़ाई जा सकती है। हालांकि, 'कल्कि 2' का काम पूरी तरह रुका नहीं है। फिल्म के निर्माता पहले ही बता चुके हैं कि सीक्वल का कुछ हिस्सा पहले चरण में शूट किया जा चुका है और 2026 में इसकी मुख्य शूटिंग शुरू हो चुकी है। प्रभास की आगामी फिल्मों में 'फौजी', 'स्पिरिट', 'सलार 2' और 'कल्कि 2' शामिल हैं। यही वजह है कि उनके शेड्यूल को लेकर निर्माताओं के बीच तालमेल बनाना बड़ी चुनौती माना जा रहा है। फिलहाल मेकर्स की योजना प्रभास की उपलब्ध तारीखों के अनुसार शूटिंग आगे बढ़ाने की है। ऐसे में फैंस को 'कल्कि 2' के लिए थोड़ा और इंतजार करना पड़ सकता है, लेकिन फिल्म को लेकर उत्साह कम नहीं हुआ है।

निगम के उद्यान में जैन संत का अंतिम संस्कार, अनुमति पर उठे सवाल

रणजीत टाइम्स
info@ranjeettimes.com

इंदौर। इंदौर के नेमीनगर स्थित आचार्य श्री विद्यासागर उद्यान में चातुर्मास के लिए ठहरे जैन संत संघ के एक क्षुल्लकजी के निधन के बाद उनका अंतिम संस्कार उद्यान परिसर में किए जाने का मामला सामने आया है। घटना की जानकारी निगम अधिकारियों को सुबह मिली, जिसके बाद उद्यान अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया। नगर निगम का कहना है कि अंतिम संस्कार के संबंध में उसे पूर्व सूचना या अनुमति नहीं दी गई थी। अधिकारियों ने मौके का पंचनामा तैयार कर मामला वरिष्ठ अधिकारियों को भेज दिया है। अब आगे की कार्रवाई वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश के आधार पर होगी। इधर जैन समाज की ओर से निगम को दिए गए पत्र में साधु परमेष्ठी की अंतिम क्रिया की पुरानी धार्मिक परंपरा का हवाला दिया गया है। समाज का कहना है कि संत की अंतिम क्रिया परंपरा के अनुसार की गई। मामले में अब सवाल यह है कि क्या सार्वजनिक उद्यान में धार्मिक परंपरा के तहत अंतिम संस्कार किया जा सकता है और इसके लिए निगम की अनुमति जरूरी है या नहीं? निगम अधिकारियों के निर्णय के बाद स्थिति स्पष्ट होगी।

रणजीत टाइम्स

सड़क के एक्सपेंशन जॉइंट से बढ़ा हादसों का खतरा, दोपहिया वाहन चालक हो रहे दुर्घटनाग्रस्त

ग्राम पंचायत बांक के सरपंच शोहराब पटेल ने एनएचएआई से तत्काल मरम्मत एवं समतलीकरण की मांग की

आदित्य शर्मा

इंदौर/ बांक। बांक ग्राम पंचायत बांक क्षेत्र से होकर गुजरने वाले मार्ग पर सड़क के एक्सपेंशन जॉइंट की खराब एवं असमान स्थिति वाहन चालकों के लिए परेशानी का कारण बनी हुई है। विशेष रूप से दोपहिया वाहन चालकों के लिए यह स्थान दुर्घटना का संभावित कारण बनता जा रहा है। स्थानीय लोगों के अनुसार सड़क के बीच स्थित एक्सपेंशन जॉइंट कई स्थानों पर उभरा हुआ तथा असमान हो गया है। तेज गति से गुजरने वाले दोपहिया वाहनों के पहिए जब इन असमान हिस्सों से टकराते हैं तो वाहन का संतुलन बिगड़ने की आशंका रहती है। कई बार चालक गिरकर दुर्घटनाग्रस्त भी हो रहे हैं। सड़क के मध्य स्थित डिवाइडर के कारण ऐसी स्थिति में गंभीर चोट लगने का खतरा भी बना रहता है।

रात के समय बढ़ जाता है खतरा

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि रात के समय एक्सपेंशन जॉइंट की स्थिति स्पष्ट दिखाई नहीं देने के कारण दुर्घटना का खतरा और बढ़ जाता है। इस मार्ग पर प्रतिदिन बड़ी संख्या में छोटे-बड़े वाहनों का आवागमन होता है। ऐसे में सड़क की इस तकनीकी समस्या का तत्काल समाधान आवश्यक है।

सरपंच शोहराब पटेल ने की तत्काल कार्रवाई की मांग

ग्राम पंचायत बांक के सरपंच शोहराब पटेल ने भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के संबंधित अधिकारियों से मांग की है कि मौके का तत्काल निरीक्षण कराया जाए। साथ ही एक्सपेंशन जॉइंट की तकनीकी स्थिति की जांच कर आवश्यक मरम्मत एवं समतलीकरण का कार्य शीघ्र कराया जाए।

सरपंच शोहराब पटेल ने कहा कि “आमजन की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। किसी बड़ी दुर्घटना के होने से पहले एनएचएआई को इस समस्या का तत्काल संज्ञान लेकर आवश्यक सुधार कार्य कराना चाहिए।” ग्राम पंचायत की ओर से एनएचएआई एवं संबंधित अधिकारियों से जनहित और सड़क सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए एक्सपेंशन जॉइंट की समस्या का स्थायी समाधान कराने की मांग की गई है, ताकि संभावित दुर्घटनाओं को रोका जा सके और राहगीरों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित हो सके।

शासकीय विद्यालयों के सुदृढ़ीकरण की दिशा में निगम की पहल, पुरवार कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में नवीन भवन निर्माण शीघ्र

नवल किशोर

कटनी । नगरीय क्षेत्र के शासकीय विद्यालयों में बेहतर शैक्षणिक वातावरण एवं विद्यार्थियों को सुरक्षित, सुविधाजनक और गुणवत्तापूर्ण पठन-पाठन की सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में नगर पालिक निगम प्रशासन द्वारा निरंतर विकास एवं सुधार कार्य कराए जा रहे हैं। इसी क्रम में पुरवार शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, सिविल लाइन कटनी में 1 करोड़ 37 लाख रुपये की लागत से निर्मित होने वाले नवीन भवन निर्माण की टेंडर प्रक्रिया पूर्ण होने के पश्चात निर्माण कार्य शीघ्र प्रारंभ किया जाना प्रस्तावित है।

निगमायुक्त सुश्री तपस्या परिहार द्वारा नवीन भवन के निर्माण स्थल का निरीक्षण कर प्रस्तावित निर्माण कार्य की तैयारियों का जायजा लिया गया। इस दौरान निगमायुक्त ने स्वयं टेप पकड़कर कई स्थलों की माप कर नक्शे से स्थल का मिलान भी किया। निरीक्षण के दौरान विद्यालय में उपस्थित शिक्षकों से चर्चा करते हुए विद्यालय की वर्तमान आवश्यकताओं, विद्यार्थियों के लिए आवश्यक सुविधाओं तथा भवन के उपयोग से संबंधित विभिन्न बिंदुओं की जानकारी ली गई। इस दौरान निगम के सहायक यंत्री आदेश जैन, उपयंत्री शैलेन्द्र प्यासी, शाला प्राचार्य दिनेश कुमार तिवारी सहित शाला शिक्षकों की मौजूदगी रही। निगमायुक्त ने शिक्षकों से प्राप्त सुझावों एवं आवश्यकताओं के अनुरूप प्रस्तावित नवीन भवन की ड्राइंग एवं डिजाइन का मौके पर अवलोकन कर आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए, ताकि भवन का निर्माण केवल एक भौतिक संरचना के रूप में न होकर विद्यार्थियों के लिए बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराने वाला उपयोगी एवं सुविधायुक्त परिसर बन सके। निगम प्रशासन का उद्देश्य नगरीय सीमा में संचालित शासकीय विद्यालयों में आवश्यक मरम्मत, रखरखाव एवं अधोसंरचना विकास के कार्यों को प्राथमिकता के साथ पूर्ण कर विद्यार्थियों के पठन-पाठन के लिए बेहतर वातावरण तैयार करना है। विद्यालयों की आवश्यकताओं के अनुरूप किए जा रहे ये विकास कार्य शिक्षा के लिए मजबूत आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में निगम प्रशासन की प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं।

241, वां ,हनुमान चालीसा पाठ संपन्न

सलीम हुसैन

झाबुआ सामुहिक हनुमान चालीसा पाठ समिति द्वारा प्रति मंगलवार को किये जाने वाले पाठ के अंतर्गत श्रावणी शिवरात्रि के अवसर पर योगेश्वर धाम स्थित श्री योगेश्वर महादेव मंदिर पर हनुमान चालीसा के संगीतमय पाठ किये गये।

उक्त जानकारी देते हुए श्री योगेश्वर धाम संस्थापक योगेन्द्र नाहर ने बताया कि योगेश्वर धाम स्थित श्री योगेश्वर महादेव मंदिर पर महादेव की रात्रि आरती के पश्चात सैकड़ों भक्तो की उपस्थिति में सामुहिक हनुमान चालीसा पाठ समिति द्वारा वाद्ययंत्रो की सुमधुर स्वर लहरियो के बीच सैकड़ों भक्तो की उपस्थिति में मनमोहक हनुमान चालीसा के संगीतमय पाठ किये गये इस अवसर पर कालोनी के श्यामसुंदर गुप्ता, वाल्मीकि तिवारी,ओ पी राय, विशाल जोशी, राजेन्द्र गुप्ता, संजय सिकरवार, कमलेश गुप्ता, संजय जोशी, मेडतवाल नरेंद्र पोतदार सरोज नाहर, चंद्रलेखा जोशी,शशी गुप्ता, खतेडीया राय सहित सैकड़ों कालोनीवासियों एवं नगर के नागरिकों का अभुतपूर्व सहयोग प्राप्त हुआ समापन प्रसाद मंगला,सोनी(पोतदार), श्यामसुंदर गुप्ता एवं सोहनलाल नाहर परिवार द्वारा वितरित कर सभी भक्तों का योगेश्वर धाम संस्थापक द्वारा आभार व्यक्त किया गया।

आत्मतत्व में चित्त को स्थिर करने की पद्धति है सहजयोग

ममैवांशो जीवलोके जीवभूतः सनातनः।
मनःषष्ठानीन्द्रियाणि प्रकृतिस्थानि कर्षति।।

श्रीमद्भगवद्गीता में भगवान श्री कृष्ण कहते हैं, इस संसार में जीव बना हुआ आत्मा मेरा ही सनातन अंश है; परन्तु वह प्रकृति में स्थित मन और पांचों ज्ञानेन्द्रियों को आकर्षित करता है (अपना मान लेता है)। और हम बाहरी संसार के आकर्षण में फिर उस परम प्रेम तत्व को पहचान नहीं पाते । श्री माताजी प्रणित सहजयोग हमें इसी आत्मतत्व की अनुभूति प्रदान करता है। साधारणतया हम अपने आप से अपने चित्त को अपने हृदय में स्थित और स्थिर नहीं कर सकते। सहज योग में जब साधक को आत्म साक्षात्कार प्राप्त होता है तब वह साधक अपने चित्त को अपने हृदय में और हृदय चक्र की पीठ जो सहस्त्रार चक्र में है वहां कुछ क्षणों के लिए स्थित कर सकता है अपनी चित्त वृत्तियों को स्थिर करने की परम अनुभूति कर सकता है। आत्म साक्षात्कार की यह घटना समझाते हुए परम पूज्य श्री माताजी कहते हैं, कि सभी योग अंततः इस बात पर समाप्त होते हैं कि आपका अस्तित्व और आपका चित्त एक हो जाए उदाहरण के लिए अभी आप मुझे सुन रहे हैं और आपका चित्त बाहर की ओर है अर्थात आप मुझे बाहर से देख रहे हैं पर यदि मैं आपसे कहूं कि अपने चित्त को बाहर से भीतर ले जाओ वहीं से जहां से तुम मुझे सुन रहे हो तो क्या आप ऐसा कर सकते हैं नहीं कर सकते हैं यह चित्त मनुष्य के बाहर चला जाता है और यही समस्या है कि हम अपना चित्त भीतर नहीं ले जा सकते हैं इसी कारण अपना स्वयं से मिलन स्थापित नहीं हो पता लेकिन यह मिलन स्थापित होना ही चाहिए यदि आप यह अनुभव करें कि हमारे भीतर कोई ऐसा है जो हमें हर समय देख रहा है हम जो कुछ भी करते हैं उसका निरीक्षण कर रहा है वह जो हमारे अंदर है और जो बाहर की ओर देख रहा है परंतु हम उस व्यक्तित्व तक नहीं जा सकते । हमारे और उस व्यक्तित्व के बीच एक अंतराल है इसी व्यक्तित्व को अनेक धर्म ग्रंथों ने आत्मा या स्पिरिट कहा है लोगों ने इसके बारे में बताया है कि हमें अपनी आत्मा को प्रकट करना है अर्थात हमारा चित्त इस आत्मा के साथ एक हो जाना चाहिए यह सभी धर्म ग्रंथों में कहा गया है जब हम आत्मा को पहचानते हैं तो स्वयं को जान जाते हैं तभी हमारा पुनर्जन्म होता है और यही आत्म साक्षात्कार है। और इस आत्म साक्षात्कार प्राप्ति के बाद साधक परमानंदमय हो जाता है वह हृदय से प्रार्थना करता है कि हे करुणामय मां मैं ना मंत्र जानता हूं ना तंत्र आपका मैं कैसे पूजन करूं आपको क्या समर्पित करूं इस बात का भी मुझे कुछ ज्ञान नहीं है।

पर है मां आपने मुझे परम चैतन्य से आशीर्वादित किया है जिसके कारण चैतन्य की शीतल लहरियां मेरे हाथों से तालू भाग से बहने लगी हैं इसलिए मैं अपने आप को इस धरती का सबसे भाग्यवान व्यक्ति समझता हूं और आपके श्री चरणों पर प्रार्थना अर्पित करता हूं कि आप मुझे सदैव अपनी छत्रछाया में रखें। सहजयोग ध्यान की अधिक जानकारी टोल-फ्री नंबरः 1800 2700 800 या www.sahajayoga.org.in से प्राप्त कर सकते हैं।

पूरी रकम नहीं मिली तो भी रजिस्टर्ड बिक्री विलेख रद्द नहीं होगाः सुप्रीम कोर्ट

बकाया राशि की वसूली का अधिकार बरकरार, लेकिन अधूरा भुगतान मात्र बिक्री को शून्य नहीं बनाता

राजेश धाकड़

इंदौर संपत्ति की रजिस्टर्ड बिक्री के बाद यदि खरीदार ने पूरी बिक्री राशि का भुगतान नहीं किया है, तो केवल इस आधार पर बिक्री विलेख को रद्द नहीं कराया जा सकता। सुप्रीम कोर्ट ने महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए स्पष्ट किया है कि बिक्री विलेख के पंजीयन के समय पूरी कीमत का भुगतान होना अनिवार्य नहीं है। यदि पक्षकारों के बीच संपत्ति का स्वामित्व हस्तांतरित करने की स्पष्ट मंशा थी और बिक्री विलेख विधिवत पंजीकृत हो चुका है, तो शेष राशि का भुगतान नहीं होने मात्र से बिक्री अपने आप अमान्य नहीं हो जाती। शीर्ष अदालत ने कहा कि ऐसी स्थिति में विक्रेता के पास बकाया बिक्री प्रतिफल की वसूली के लिए कानूनी उपाय उपलब्ध रहता है, लेकिन केवल भुगतान अधूरा रहने के आधार पर संपत्ति का स्वामित्व वापस लेने के लिए रजिस्टर्ड बिक्री विलेख को निरस्त नहीं कराया जा सकता।

हाईकोर्ट का फैसला पलटा

सुप्रीम कोर्ट ने रजिया बेगम एवं अन्य बनाम नसिया बेगम अब्दुल एवं अन्य मामले में यह फैसला सुनाते हुए हाईकोर्ट के उस निर्णय को पलट दिया, जिसमें बिक्री विलेखों को निष्प्रभावी मानते हुए मूल मालिकों के पक्ष में फैसला दिया गया था। शीर्ष अदालत ने ट्रायल कोर्ट और प्रथम अपीलीय अदालत के निष्कर्षों को बहाल कर दिया।

दो बिक्री विलेखों से जुड़ा था विवाद

मामला वर्ष 1975 में निष्पादित किए गए दो बिक्री विलेखों से संबंधित था। दोनों संपत्तियों की कीमत 7-7 हजार रुपये तय की गई थी। खरीदार ने प्रत्येक सौदे में 2,500 रुपये का भुगतान किया था, जबकि 4,500 रुपये की शेष राशि इस उद्देश्य से अपने पास रखी गई थी कि उससे विक्रेताओं के विभिन्न संस्थानों और सरकारी विभागों के बकाया कर्ज का भुगतान किया जाएगा। बाद में यह राशि संबंधित बकाया चुकाने में इस्तेमाल नहीं हुई। इसके बाद दोनों पक्षों के बीच अलग-अलग समझौते हुए, जिनमें खरीदार ने शेष रकम देने और संबंधित कर्ज चुकाने की जिम्मेदारी स्वीकार की। विवाद बढ़ने पर विक्रेताओं ने अदालत का रुख किया और बिक्री विलेखों को रद्द करने तथा संपत्ति पर अपना स्वामित्व घोषित करने की मांग की।

ट्रायल कोर्ट ने बिक्री को माना प्रभावी

ट्रायल कोर्ट ने मामले की सुनवाई के बाद माना कि बिक्री पूरी हो चुकी थी। केवल बिक्री मूल्य का कुछ हिस्सा बाकी रहने के आधार पर रजिस्टर्ड बिक्री विलेख को रद्द नहीं किया जा सकता। अदालत ने यह भी पाया कि बिक्री विलेख में ऐसी कोई स्पष्ट शर्त मौजूद नहीं थी, जिसके अनुसार शेष राशि का भुगतान नहीं होने पर बिक्री स्वतः रद्द हो जाएगी। प्रथम अपीलीय अदालत ने भी ट्रायल कोर्ट के निष्कर्ष को बरकरार रखा। हालांकि, हाईकोर्ट ने बाद में निचली अदालतों के फैसले को पलट दिया और विक्रेताओं के पक्ष में निर्णय दिया। हाईकोर्ट ने माना कि बिक्री विलेख में दर्ज जिम्मेदारियां पूरी नहीं की गई थीं और संपत्ति पर विक्रेताओं के स्वामित्व को घोषित किया। सुप्रीम कोर्ट ने धारा 54 का किया उल्लेख- सुप्रीम कोर्ट ने ट्रांसफर ऑफ प्रॉपर्टी एक्ट, 1882 की धारा 54 का उल्लेख करते हुए कहा कि बिक्री के लिए पूरी कीमत का भुगतान बिक्री विलेख के निष्पादन के समय ही किया जाना आवश्यक नहीं है। कानून के अनुसार कीमत पूरी तरह चुकाई जा सकती है, भविष्य में भुगतान करने का वादा किया जा सकता है या कुछ रकम तत्काल देकर शेष रकम बाद में देने की सहमति हो सकती है। शीर्ष अदालत ने पूर्व के न्यायिक फैसलों का हवाला देते हुए कहा कि किसी बिक्री की वैधता तय करने में सबसे महत्वपूर्ण बात पक्षकारों की वास्तविक मंशा है। इस मंशा को बिक्री विलेख की भाषा, पक्षकारों के आचरण और मामले में उपलब्ध अन्य साक्ष्यों के आधार पर समझा जाना चाहिए।

रजिस्टर्ड बिक्री विलेख के बाद स्वामित्व का सवाल- सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि जब रजिस्टर्ड बिक्री विलेख निष्पादित हो चुका हो और दस्तावेज से यह स्पष्ट हो कि पक्षकार संपत्ति का स्वामित्व खरीदार को हस्तांतरित करना चाहते थे, तब केवल बिक्री मूल्य की कुछ राशि बकाया रहने से बिक्री को अमान्य नहीं माना जा सकता। अर्थात, खरीदार द्वारा पूरी रकम का भुगतान न करना अपने आप में बिक्री विलेख को शून्य नहीं बनाता, जब तक कि दस्तावेज या परिस्थितियों से यह स्पष्ट न हो कि पक्षकारों ने बिक्री को भुगतान की किसी विशेष शर्त के अधीन रखा था।

बकाया रकम की वसूली का रास्ता खुला

शीर्ष अदालत ने यह भी साफ किया कि विक्रेता अपने बकाया बिक्री प्रतिफल की वसूली के लिए कानून के अनुसार कार्रवाई कर सकता है। यदि खरीदार ने तय रकम का भुगतान नहीं किया है, तो विक्रेता बकाया राशि की वसूली के लिए मुकदमा कर सकता है। लेकिन केवल इस आधार पर कि बिक्री के समय पूरी रकम प्राप्त नहीं हुई, रजिस्टर्ड बिक्री विलेख को रद्द कराकर संपत्ति का स्वामित्व वापस लेने की मांग स्वीकार नहीं की जा सकती।

सुप्रीम कोर्ट ने निचली अदालतों का फैसला बहाल किया- मामले के तथ्यों और उपलब्ध साक्ष्यों पर विचार करने के बाद सुप्रीम कोर्ट ने माना कि विक्रेताओं ने बिक्री के बाद बकाया रकम की वसूली का रास्ता अपनाने के बजाय बिक्री विलेखों को रद्द कराने का प्रयास किया था। शीर्ष अदालत ने बिक्री को प्रभावी और अंतिम मानते हुए हाईकोर्ट के फैसले को पलट दिया तथा ट्रायल कोर्ट और प्रथम अपीलीय अदालत के निर्णय को बहाल कर दिया।- फैसले का सारः रजिस्टर्ड बिक्री विलेख के बाद केवल पूरी बिक्री कीमत का भुगतान नहीं होने से संपत्ति की बिक्री स्वतः शून्य नहीं हो जाती। विक्रेता के पास बकाया राशि की वसूली का अधिकार रहता है, लेकिन बिक्री विलेख रद्द कराने के लिए केवल अधूरा भुगतान पर्याप्त आधार नहीं है। मामले में अंतिम निर्णय पक्षकारों की मंशा, बिक्री विलेख की शर्तों और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर किया जाएगा।

सीने में जलन: क्या ज्यादा चीनी खाने से बढ़ सकती है एसिडिटी?

रणजीत टाइम्स
info@ranjeettimes.com

सीने में जलन और खट्टी डकार की समस्या को अक्सर मसालेदार या तला-भुना खाना से जोड़कर देखा जाता है। लेकिन सवाल यह है कि क्या ज्यादा चीनी खाने से भी एसिडिटी या एसिड रिफ्लक्स बढ़ सकता है? विशेषज्ञों के मुताबिक चीनी हर व्यक्ति में सीधे एसिडिटी का कारण नहीं बनती, लेकिन ज्यादा मीठा खाना कुछ लोगों में परेशानी बढ़ा सकता है।

खासकर ज्यादा मात्रा में मिठाई, मीठे पेय और अधिक कैलोरी वाला भोजन पेट पर दबाव बढ़ा सकता है और एसिड रिफ्लक्स के लक्षण उभर सकते हैं। चॉकलेट और कुछ मीठे खाद्य पदार्थों में मौजूद वसा भी कुछ लोगों में निचलीनली की मांसपेशियों को प्रभावित कर सकती है, जिससे पेट का एसिड ऊपर आने की संभावना बढ़ती है। इसका मतलब यह नहीं कि एसिडिटी होने पर चीनी पूरी तरह छोड़ना जरूरी है। बेहतर है कि व्यक्ति यह देखे कि किस भोजन के बाद उसके लक्षण बढ़ते हैं और उसी के अनुसार खानपान में बदलाव करे। सीधी बातः चीनी को एसिडिटी का सीधा कारण मानना सही नहीं, लेकिन ज्यादा मीठा और भारी भोजन कुछ लोगों में सीने की जलन बढ़ा सकता है। लगातार एसिडिटी रहती है तो इसे सामान्य मानकर नजरअंदाज करने के बजाय डॉक्टर से सलाह लेना बेहतर है।

जांघों के बीच खुजली को सिर्फ पसीना न समझें, जॉक इच भी हो सकता है कारण

रणजीत टाइम्स
info@ranjeettimes.com

जांघों के बीच खुजली, लाल चकत्ते या जलन को अक्सर लोग पसीने और गर्मी का असर समझकर नजरअंदाज कर देते हैं। लेकिन इसके पीछे जॉक इच यानी टीनिया क्रूरिस नाम का फंगल संक्रमण भी हो सकता है। क्लीवलैंड क्लिनिक और मेयो क्लिनिक के अनुसार यह संक्रमण खासकर गर्म और नम जगहों पर तेजी से बढ़ने वाले फंगस के कारण होता है।

क्या हैं इसके लक्षण?

इसमें जांघों के अंदरूनी हिस्से, कमर और आसपास की त्वचा पर लाल या भूरे रंग के चकत्ते, तेज खुजली, जलन और त्वचा पर पपड़ी जैसी समस्या हो सकती है। कई मामलों में चकत्ते किनारों से ज्यादा उभरे हुए दिखाई देते हैं।

क्यों होता है?

ज्यादा पसीना आना, गर्म और नम वातावरण, तंग कपड़े पहनना और लंबे समय तक त्वचा का नम रहना इसका जोखिम बढ़ा सकता है। यह फंगल

संक्रमण संक्रमित व्यक्ति या उसके कपड़े, तौलिया जैसी चीजों के संपर्क से भी फैल सकता है।

बचाव कैसे करें?

त्वचा को सूखा रखें, रोजाना साफ अंडरवियर बदलें, बहुत तंग कपड़ों से बचें और तौलिया या कपड़े साझा न करें। व्यायाम या ज्यादा पसीना आने के बाद कपड़े बदलना भी जरूरी है। अगर खुजली और चकत्ते लगातार बने रहें, फैलने लगें या घरेलू उपायों से राहत न मिले तो त्वचा रोग विशेषज्ञ से सलाह लें। हर लाल चकत्ता पसीने की वजह से नहीं होता—फंगल संक्रमण की सही पहचान और इलाज जरूरी है।

श्रीराम की अयोध्या वापसी पर किया गया था दिवारी लोकनृत्य, आज भी बुंदेलखंड के पुरुष निभाते हैं परंपरा

रणजीत टाइम्स
info@ranjeettimes.com

नई दिल्ली। लठमार होली के बारे में हर कोई जानता है, लेकिन क्या आप लठमार नृत्य के बारे में जानते हैं? अगर आप जानकर हैरान हो गए हैं, तो आपको बता दें कि ऐसा ही एक नृत्य बुंदेलखंड की मिट्टी में देखने को मिलता है। घुंघरुओं की मीठी छम-छम के साथ लाठियों की जोरदार तड़तड़ाहट वाला यह नृत्य बुंदेलखंड की प्रसिद्ध 'लठमार दिवारी' नृत्य है, जिसका अनुभव हर किसी को एक बार जरूर करना चाहिए। दीवाली के दीयों की रोशनी जब धीरे-धीरे कम होने लगती है, तब बुंदेलखंड की धरती पर ढोल-नगाड़ों की गूंज के साथ एक खास तरह के जश्न की शुरुआत होती है। यह कोई आम त्योहार नहीं है, बल्कि शौर्य, गहरी आस्था और लोक संस्कृति का एक अद्भुत संगम होता है, जिसे लोग 'लठमार दिवारी नृत्य' के नाम से जानते हैं। यह नृत्य दीवाली के एक दिन बाद आयोजित किया जाता है।

केला-नमक खाएं, जिम में उठाएं वजन; क्या प्री-वर्कआउट सप्लीमेंट की जरूरत नहीं?

रणजीत टाइम्स
info@ranjeettimes.com

जिम जाने से पहले बेहतर ऊर्जा और प्रदर्शन के लिए कई लोग प्री-वर्कआउट सप्लीमेंट लेते हैं। लेकिन हर किसी के लिए इसकी जरूरत हो, ऐसा जरूरी नहीं। केला और थोड़ी मात्रा में नमक एक आसान विकल्प हो सकता है। केले में कार्बोहाइड्रेट और पोटैशियम होता है, जो शरीर को व्यायाम के दौरान ऊर्जा देने और मांसपेशियों के सामान्य कामकाज में मदद करता है। नमक में सोडियम होता है, जो शरीर में तरल पदार्थों का संतुलन बनाए रखने में भूमिका निभाता है। वर्कआउट से पहले केला खाने से शरीर को जल्दी उपलब्ध होने वाली ऊर्जा मिल सकती है। खासकर खाली पेट या लंबे अंतराल के बाद व्यायाम करने वालों के लिए यह उपयोगी हो सकता है। हालांकि केला-नमक प्री-वर्कआउट सप्लीमेंट का सीधा विकल्प नहीं है। कैफीन, क्रिएटिन या अन्य सामग्री वाले सप्लीमेंट अलग उद्देश्य से इस्तेमाल किए जाते हैं। जरूरत व्यक्ति की डाइट, व्यायाम और स्वास्थ्य पर निर्भर करती है। साथ ही नमक की मात्रा ज्यादा लेना नुकसानदायक हो सकता है। इसलिए केवल स्वाद या ज्यादा पसीना आने के नाम पर अतिरिक्त नमक लेना सही नहीं।

आईवीएफ के बाद मां के लिए स्तनपान कितना आसान? विज्ञान ने दूर किया बड़ा भ्रम

कई महिलाओं को रहता है डर, लेकिन शोध में तस्वीर कुछ और

रणजीत टाइम्स
info@ranjeettimes.com

आईवीएफ के जरिए मां बनने वाली महिलाओं के सामने बच्चे के जन्म के बाद एक नया सवाल खड़ा होता है—क्या वह अपने बच्चे को सामान्य रूप से स्तनपान करा पाएंगी? क्या आईवीएफ के दौरान दिए गए हार्मोन और दवाओं का असर दूध बनने की प्रक्रिया पर पड़ता है? वैज्ञानिक अध्ययनों के मुताबिक सिर्फ आईवीएफ से गर्भधारण होने का मतलब यह नहीं है कि महिला स्तनपान नहीं करा पाएगी। स्विट्जरलैंड में हुए एक अध्ययन में आईवीएफ से गर्भधारण करने वाली 93.4 प्रतिशत महिलाओं ने स्तनपान शुरू किया, जबकि प्राकृतिक

गर्भधारण वाली महिलाओं में यह आंकड़ा 94.8 प्रतिशत था। अध्ययन में दोनों समूहों के बीच स्तनपान बंद करने की अवधि में भी महत्वपूर्ण अंतर नहीं मिला।

कुछ महिलाओं को परेशानी क्यों होती है?- मामला इतना सीधा भी नहीं है। कुछ शोधों में आईवीएफ से गर्भधारण करने वाली महिलाओं में स्तनपान की अवधि कम देखी गई है। इसके पीछे समय से पहले जन्म, सिजेरियन प्रसव, कम वजन वाले बच्चे और गर्भावस्था से जुड़ी अन्य जटिलताएं महत्वपूर्ण कारण हो सकती हैं। एक अध्ययन में आईवीएफ के बाद सिजेरियन प्रसव और लंबे समय तक चली बांझपन की समस्या को स्तनपान शुरू करने में कठिनाई से जोड़ा गया। शोधकर्ताओं ने ऐसी महिलाओं को प्रसव के बाद अतिरिक्त सहायता देने की जरूरत बताई।

अस्पताल में शुरुआत पर पड़ सकता है असर- 2025 में प्रकाशित एक बड़े अध्ययन में आईवीएफ से गर्भधारण करने वाली महिलाओं में अस्पताल से छुट्टी के समय केवल स्तनपान कराने की संभावना कुछ कम पाई गई। हालांकि शोध में यह भी सामने आया कि गर्भावस्था और प्रसव से जुड़ी जटिलताएं इस अंतर का एक महत्वपूर्ण हिस्सा समझा सकती हैं। शोधकर्ताओं ने आईवीएफ से गर्भधारण करने वाली माताओं को शुरुआती स्तनपान सहायता देने पर जोर दिया।

आईवीएफ के बाद दूध कम आना क्या सामान्य है?- ऐसा मानना सही नहीं है कि आईवीएफ के कारण हर महिला में दूध कम बनता है। दूध बनने और बच्चे को पर्याप्त दूध मिलने पर कई दूसरे कारक असर डालते हैं।

बैंकों के 2.85 लाख करोड़ पर संकट, 7,190 जानबूझकर डिफॉल्टरों पर कार्रवाई

रणजीत टाइम्स
info@ranjeettimes.com

देश के सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों का करीब 2.85 लाख करोड़ 15,930 ऐसे खातों में फंसा है, जिन्हें जानबूझकर कर्ज नहीं चुकाने वाले डिफॉल्टरों के रूप में दर्ज किया गया है। 30 जून 2026 तक 25 लाख या

उससे अधिक बकाया वाले इन खातों का आंकड़ा सामने आया है। इनमें से 7,190 मामलों में फौजदारी कार्रवाई शुरू की जा चुकी है। बैंकों की ओर से बकाया वसूली के लिए कानूनी कार्रवाई के साथ गिरवी रखी संपत्तियों पर भी कार्रवाई की जा सकती है। भारतीय रिजर्व बैंक के नियमों के अनुसार किसी व्यक्ति या संस्था को सिर्फ कर्ज न चुका पाने भर से 'जानबूझकर डिफॉल्टर' नहीं माना जाता। इसके लिए यह देखा जाता है कि कर्ज चुकाने की क्षमता होने के बावजूद भुगतान नहीं किया गया या कर्ज की रकम को दूसरे काम में लगाया गया, रकम को हड़पा गया अथवा बैंक की जानकारी के बिना गिरवी संपत्ति को हटाया या बेच दिया गया। 25 लाख या उससे अधिक के बकाये पर संबंधित नियम लागू होते हैं। सवाल सिर्फ वसूली का नहीं- 2.85 लाख करोड़ का आंकड़ा बैंकिंग व्यवस्था के सामने बड़ी चुनौती दिखाता है। सरकारी बैंकों में जमा आम लोगों के पैसे से दिए गए कर्ज की वापसी न होना अंततः बैंक की वित्तीय स्थिति और उसकी ऋण देने की क्षमता पर असर डाल सकता है। अब असली सवाल यह है कि इतनी बड़ी रकम फंसी ही क्यों और कर्ज देने से पहले जोखिम का आकलन कितना प्रभावी था? कार्रवाई जरूरी है, लेकिन उतना ही जरूरी यह देखना भी है कि भविष्य में ऐसी रकम दोबारा न फंसे।

सरकारी रेल कंपनी आरवीएनएल की बड़ी छलांग, मुनाफा 18.5% बढ़ा

रणजीत टाइम्स
info@ranjeettimes.com

सरकारी रेल कंपनी रेल विकास निगम लिमिटेड (आरवीएनएल) ने वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में मजबूत प्रदर्शन किया है। कंपनी का शुद्ध मुनाफा सालाना आधार पर 18.5 प्रतिशत बढ़ा। तिमाही नतीजों में परिचालन दक्षता में भी सुधार दिखाई दिया। कंपनी के तिमाही आंकड़ों के अनुसार राजस्व करीब 10.5 प्रतिशत बढ़कर 4,321 करोड़ रहा, जबकि शुद्ध मुनाफा अलग-अलग रिपोर्टिंग आधार पर करीब 153-159 करोड़ के आसपास दर्ज हुआ। सबसे खास बढ़ोतरी परिचालन लाभ में रही। कंपनी का एबिटा पिछले साल की तुलना में कई गुना बढ़ा, जिससे लागत नियंत्रण और परिचालन प्रदर्शन में सुधार का संकेत मिलता है।

आरवीएनएल रेलवे से जुड़ी बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के निर्माण और क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। मजबूत तिमाही नतीजे ऐसे समय आए हैं जब कंपनी के वित्तीय प्रदर्शन पर निवेशकों की नजर बनी हुई है। हालांकि सिर्फ एक तिमाही के बेहतर नतीजों से कंपनी की लंबी अवधि की तस्वीर तय नहीं होती। आगे राजस्व की निरंतरता, परियोजनाओं की गति, मार्जिन और नए ठेकों की स्थिति अहम रहेगी।

महंगा हो सकता है पान मसाला! पैकेजिंग पर सरकार ने कसे नियम

रणजीत टाइम्स
info@ranjeettimes.com

पान मसाला कंपनियों के लिए अब पैकेजिंग बदलना जरूरी होगा। भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण ने पान मसाला की पैकेजिंग में प्लास्टिक, प्लास्टिक-लेमिनेट, एल्युमिनियम फॉयल और धातुयुक्त परतों के इस्तेमाल पर रोक लगाई है। नए नियमों के तहत कागज, कागज बोर्ड, सेलुलोज या अन्य प्राकृतिक सामग्री का इस्तेमाल किया जा सकता है, लेकिन इनमें किसी तरह का प्लास्टिक या कृत्रिम लेमिनेट नहीं होना चाहिए। टिन और कांच के डिब्बों की भी अनुमति है। इस फैसले का सीधा असर पान मसाला

बनाने वाली कंपनियों की पैकेजिंग लागत पर पड़ सकता है। हालांकि पैकेट बदलने से उत्पाद की कीमत कितनी बढ़ेगी, यह कंपनियों की लागत और उनके मूल्य निर्धारण पर निर्भर करेगा। इसलिए अभी यह कहना जल्दबाजी होगी कि पान मसाला निश्चित रूप से महंगा हो जाएगा एफएसएसएआई का यह कदम मुख्य रूप से प्लास्टिक कचरा कम करने और पैकेजिंग मानकों को सख्त करने से जुड़ा है। यानी बदलाव सिर्फ पैकेट का नहीं है—अब पान मसाला कंपनियों को पैकेजिंग की पूरी व्यवस्था नए नियमों के मुताबिक करनी होगी।

शिव जी के ठीक सामने ही क्यों विराजमान रहते हैं नंदी महाराज? जानिए पौराणिक कथा

रणजीत टाइम्स
info@ranjeettimes.com

हिंदू मंदिरों में भगवान शिव के सामने नंदी की प्रतिमा होना लगभग हर शिवालय में दिखाई देता है। नंदी को भगवान शिव का वाहन और परम भक्त माना जाता है। धार्मिक मान्यता है कि नंदी की दृष्टि हमेशा शिवलिंग की ओर रहती है, इसलिए उन्हें शिवजी के ठीक सामने स्थापित किया जाता है।

नंदी और शिव की कथा

पौराणिक कथाओं के अनुसार नंदी ने भगवान शिव को अपना आराध्य मानकर कठोर तपस्या की थी। उनकी भक्ति से प्रसन्न होकर शिव ने उन्हें अपना वाहन ही नहीं, बल्कि अपने गणों का प्रमुख भी बनाया। तभी से नंदी शिव के सबसे निकट रहने वाले भक्तों में माने जाते हैं।

एक अन्य मान्यता के अनुसार नंदी कैलाश पर शिव के द्वारपाल हैं। मंदिरों में शिवलिंग के सामने नंदी की स्थापना इसी प्रतीक को दर्शाती

है कि भक्त हमेशा अपने आराध्य की ओर समर्पित भाव से देखता रहे।

नंदी के कान में क्यों कहते हैं मनोकामना?

शिव मंदिरों में श्रद्धालु अक्सर नंदी के कान में अपनी इच्छा कहते हैं। मान्यता है कि नंदी भक्त की प्रार्थना भगवान शिव तक पहुंचाते हैं। हालांकि यह धार्मिक आस्था और परंपरा का हिस्सा है, इसका कोई वैज्ञानिक प्रमाण नहीं है। शिव के सामने नंदी केवल एक प्रतिमा नहीं, बल्कि भक्ति, विश्वास और पूर्ण समर्पण के प्रतीक माने जाते हैं। इसलिए शिवालय में प्रवेश करते ही नंदी और शिवलिंग का आमने-सामने होना अपने आप में एक धार्मिक संदेश देता है—भक्त की नजर अपने आराध्य से कभी न हटे।

सरकारी खजाने में बढ़ी रफ्तार, नेट डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन 8.11 लाख करोड़ पार

रणजीत टाइम्स
info@ranjeettimes.com

भारत में प्रत्यक्ष कर संग्रह में तेज बढ़ोतरी दर्ज हुई है। 10 अगस्त 2026 तक नेट डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन 8.11 लाख करोड़ पहुंच गया, जो पिछले साल की समान अवधि के मुकाबले 23.09 प्रतिशत अधिक है।

पिछले साल यह आंकड़ा करीब 6.59 लाख करोड़ था। ग्रॉस डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन भी 19.75 प्रतिशत बढ़कर 9.54 लाख करोड़ हो गया। इस दौरान करदाताओं को दिए गए रिफंड में भी बढ़ोतरी दर्ज की गई। इस बढ़ोतरी में गैर-कॉरपोरेट कर संग्रह की बड़ी भूमिका रही। इसमें व्यक्तिगत आयकर के साथ हिंदू अविभाजित परिवार, फर्म और अन्य गैर-कॉरपोरेट संस्थाओं से मिलने वाला कर शामिल है। इस श्रेणी का संग्रह बढ़कर करीब 5.07 लाख करोड़ हो गया, जो पिछले साल की समान अवधि में 4.11 लाख करोड़ था।

आईसीसी टेस्ट रैंकिंग

बाबर आजम की टॉप-10 में एंट्री

● वेस्टइंडीज दौरे पर की थी शानदार बल्लेबाजी

नई दिल्ली । अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) द्वारा बुधवार को जारी टेस्ट बल्लेबाजों की रैंकिंग में पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम ने टॉप-10 में धमाकेदार एंट्री की है। बाबर को वेस्टइंडीज दौरे पर उनकी शानदार बल्लेबाजी का इनाम मिला है। वेस्टइंडीज दौरे पर 2 टेस्ट मैचों की 4 पारियों में 2 अर्धशतक की

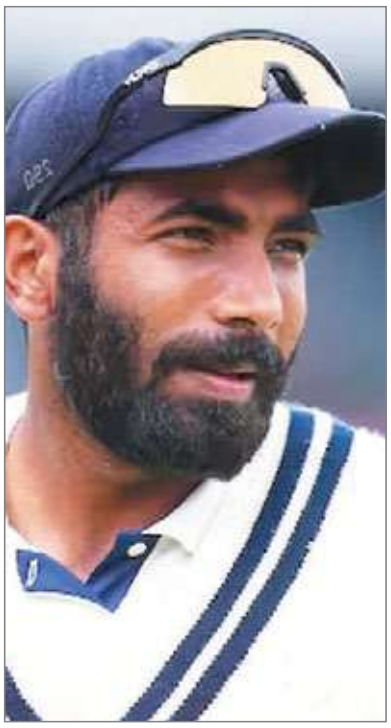

मदद से 193 रन बनाने वाले बाबर पांच स्थान की छलांग लगाते हुए आईसीसी की टेस्ट बल्लेबाजों की रैंकिंग में दसवें स्थान पर पहुंच गए हैं। शीर्ष 10 में बाबर एकमात्र पाकिस्तानी बल्लेबाज हैं। टेस्ट बल्लेबाजों की रैंकिंग में पहले स्थान पर ऑस्ट्रेलिया के ट्रेविस हेड, दूसरे स्थान पर इंग्लैंड के हैरी ब्रूक, तीसरे स्थान पर इंग्लैंड के जो रूट, चौथे स्थान पर ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ, पांचवें स्थान पर दक्षिण अफ्रीका के टेंबा बावुमा, छठे स्थान पर श्रीलंका के कामिंडु मेंडिस, सातवें स्थान पर भारत के शुभमन गिल, आठवें स्थान पर न्यूजीलैंड के रचिन रवींद्र, और नौवें स्थान पर भारत के यशस्वी जायसवाल हैं। श्रीलंका के दिनेश चांदीमल एक स्थान नीचे खिसकते हुए टॉप-10 से बाहर हो गए हैं। वह 11वें वें स्थान पर हैं।

टेस्ट गेंदबाजों की रैंकिंग में बहुत ज्यादा बदलाव नहीं हुआ है। शीर्ष 10 में भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह पहले, न्यूजीलैंड के मैट हेनरी दूसरे, ऑस्ट्रेलिया के मिचेल स्टार्क तीसरे, ऑस्ट्रेलिया के पैट कमिंस चौथे, दक्षिण अफ्रीका के मार्को जानसेन पांचवें, ऑस्ट्रेलिया के स्कॉट बोलैंड छठे, और दक्षिण अफ्रीका के कगिसो रबाडा सातवें स्थान पर हैं। रबाडा को एक स्थान का फायदा हुआ है। पाकिस्तान के नोमान अली एक स्थान के नुकसान के साथ सातवें स्थान पर हैं। ऑस्ट्रेलिया के जोश हेजलवुड नौवें और ऑस्ट्रेलिया के नाथन लियोन दसवें स्थान पर हैं। शीर्ष 10 गेंदबाजों में ऑस्ट्रेलिया के सर्वाधिक 5 गेंदबाज शामिल हैं।

टेस्ट के शीर्ष दस ऑलराउंडरों में भारत के रवींद्र जडेजा पहले, दक्षिण अफ्रीका के मार्को जानसेन दूसरे, ऑस्ट्रेलिया के मिचेल स्टार्क तीसरे, बांग्लादेश के मेहदी हसन मिराज चौथे, ऑस्ट्रेलिया के पैट कमिंस पांचवें, दक्षिण अफ्रीका के वियान मुल्डर छठे, भारत के वाशिंगटन सुंदर सातवें, इंग्लैंड के गस एटकिंसन आठवें, वेस्टइंडीज के जस्टिन ग्रिव्स नौवें और इंग्लैंड के जो रूट दसवें स्थान पर हैं। रूट को एक स्थान का फायदा हुआ है। भारत के अक्षर पटेल और दक्षिण अफ्रीका के कगिसो रबाडा क्रमशः 11 वें और 12 वें नंबर पर हैं। दोनों को एक-एक स्थान का फायदा हुआ है।

टी20 सीरीज गंवाने के बावजूद पाकिस्तानी महिला खिलाड़ियों की रैंकिंग में हुआ सुधार

दुबई । आईसीसी ने ताजा महिला टी20 प्लेयर रैंकिंग जारी की है। भले ही पाकिस्तान ने हाल ही में श्रीलंका के खिलाफ टी20 सीरीज 1-2 से गंवाई, लेकिन इसके बावजूद नाशरा संधू, शवाल जुल्फिकार और तुबा हसन की रैंकिंग में शानदार सुधार हुआ है। नाशरा संधू ने श्रीलंका के विरुद्ध तीसरे टी20 मैच में 17 रन देकर 1 विकेट हासिल किया था। संधू गेंदबाजों की रैंकिंग में एक स्थान ऊपर चढ़कर आठवें पायदान पर पहुंच गई हैं। बाएं हाथ की स्पिनर ने इस सीरीज में 3 विकेट लिए और 6.72 का शानदार इकॉनमी रेट बनाए रखा। दूसरी तरफ, तुबा हसन गेंदबाजी रैंकिंग में तीन स्थान की बढ़त के साथ 48वें नंबर पर पहुंच गई हैं। श्रीलंकाई टीम से, कप्तान चामरी अट्टापट्टू अपनी टीम की ऐतिहासिक सीरीज जीत में योगदान देने के बाद 5 स्थान ऊपर चढ़कर 36वें नंबर पर पहुंच गई।

श्रीलंका की महिला क्रिकेट टीम ने साल 2014 के बाद पहली बार पाकिस्तान के खिलाफ द्विपक्षीय टी20 सीरीज अपने नाम की है, जिसमें इमेशा दुलानी की बड़ी भूमिका रही, जिन्होंने शानदार प्रदर्शन करते हुए 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' अवॉर्ड जीता। दाएं हाथ की बल्लेबाज ने 61.50 की औसत से 123 रन बनाए और टी20 बल्लेबाजों की रैंकिंग में एक स्थान ऊपर चढ़कर 22वें नंबर पर पहुंच गई।

दुलानी ने 31 जुलाई को शुरुआती मैच में शानदार शुरुआत की और मेजबान टीम को छह विकेट और छह गेंदें शेष रहते हुए 177 रन का लक्ष्य हासिल करने में मदद की। इसके बाद 2 अगस्त को दूसरे मैच में एक और शानदार चेज के साथ सीरीज अपने नाम की।

पाकिस्तान की शवाल जुल्फिकार ने सीरीज में सर्वाधिक 132 रन बनाए।

इस शानदार प्रदर्शन के साथ वह ताजा बल्लेबाजी रैंकिंग में तीन स्थान ऊपर चढ़कर 49वें नंबर पर पहुंच गईं। इस बीच ऑलराउंडर्स की सूची में भी बदलाव देखने को मिला, जिसमें श्रीलंका की कविशा दिलहारी एक स्थान ऊपर चढ़कर 13वें नंबर पर पहुंच गईं। 25 वर्षीय खिलाड़ी ने सीरीज में सर्वाधिक विकेट लिए और फाइनल मैच में भी दो विकेट अपने नाम किए।

छलनी हुईं भोपाल की सड़कें... राहगीरों की मुसीबत बढ़ी

3 दिन की बारिश में ही उखड़ी, अटल पथ, लिंक रोड नंबर-2, भी खस्ताहाल

भोपाल (नप्र)। राजधानी भोपाल की सड़कें 3 हुई बारिश भी सहन नहीं कर पाई और छलनी हो गई है। अटल पथ, लिंक रोड नंबर-2, एमपी नगर, न्यू मार्केट, रोशनपुरा हो या कॉलोनियों की अंदरूनी सड़कें, सभी खस्ताहाल है।

कहीं डामर उखड़ गया है तो कहीं बड़े-बड़े गड्ढे हो गए हैं। इसे लेकर कांग्रेस ने जिम्मेदारों से क्वॉलिटी पर सवाल करते हुए प्रदर्शन करने की चेतावनी दी है।

भोपाल में मध्य प्रदेश के दूसरे सबसे लंबे ब्रिज डॉ. अंबेडकर (जीजी) फ्लाईओवर की सड़क से सरिए भी झांकने लगे हैं। यह फ्लाईओवर करीब 154 करोड़ रुपए की लागत से बना है, लेकिन तीन दिन लगातार हुई बारिश सहन नहीं कर पाया।

यही हाल राजधानी की दूसरी सड़कों के भी है। पुराने शहर के अंदरूनी इलाकों की सड़कें ठीक हालत में नहीं है। अशोका गार्डन, कैलाश नगर, सेमरा, शिव नगर, अयोध्या बायपास, पटेल नगर, आनंद नगर, अरेड़ी, राजीव नगर, ऐशबाग, बाग उमराव दूल्हा समेत कई इलाकों में सड़कों से डामर गायब हो गया है। अशोका गार्डन में तो सड़क का हर 50 मीटर का टुकड़ा जर्जर हालत में है।

मुख्य सड़कों की हालत भी ठीक नहीं

भोपाल के अटल पथ (बुलेवर्ड स्ट्रीट) को करीब 40 करोड़ रुपए से बनाया गया था। हर साल यह सड़क उखड़ती है और फिर मेंटेनेंस के नाम पर लाखों रुपए खर्च किए जाते हैं।
लिंक रोड नंबर-2 का बड़ा हिस्सा जर्जर हो रहा है। ऊर्जा भवन से सात नंबर चौराहे तक कई जगहों से सड़क उखड़ गई हैं। न्यू मार्केट के चारों ओर की सड़कों भी जर्जर हो गई है। सड़क से गिट्टी बाहर निकल आई है। इससे फिसलने और दुर्घटनाग्रस्त होने का खतरा बना है। एमपी नगर में मेट्रो स्टेशन के नीचे बड़े-बड़े गड्ढे हो गए हैं।

भोपाल में फुटपाथ चोरी! पुलिस से शिकायत

अरेरा कॉलोनी में कमर्शियल एक्टिविटी का मामला; रहवासियों ने की एफआईआर की मांग

भोपाल (नप्र)। भोपाल में आवासीय भवनों में कमर्शियल एक्टिविटी का मामला सुर्खियों में है। बुधवार को भी निगम की टीमें रहवासी इलाकों में चल रही दुकानों को लेकर सर्वे और नोटिस की कार्रवाई में जुटी रही। इसी बीच अरेरा कॉलोनी में फुटपाथ चोरी होने की शिकायत रहवासियों ने थाने में कर दी। अरेरा कॉलोनी के विवेक त्रिपाठी एवं लवनीश भाटी ने थाना हबीबगंज में शिकायत देकर पूछा है कि आखिर जनता के टैक्स के पैसे से बनाया गया फुटपाथ गया कहां? अब जनता सड़कों पर कहां चले? यदि किसी भूमाफिया, भवन मालिक या व्यावसायिक प्रतिष्ठान ने फुटपाथ पर कब्जा किया तो वो कैसे संभव हुआ?

फुटपाथ खुद नहीं भागा, किसी ने भगाया है

रहवासी त्रिपाठी ने बताया कि फुटपाथ धीरे-धीरे पार्किंग, निजी उपयोग और व्यावसायिक गतिविधियों की भेंट चढ़ गया। उनका कहना है कि भूमाफिया अकेले सार्वजनिक जमीन पर कब्जा नहीं कर सकता, जब तक जिम्मेदार सरकारी तंत्र आंखें बंद न करें। इसलिए शिकायत में केवल अतिक्रमणकारियों पर कार्रवाई की मांग नहीं की गई है, बल्कि नगर निगम और पीडब्ल्यूडी के उन अधिकारियों की भूमिका की आपराधिक जांच कर एफआईआर दर्ज करने की मांग की गई है, जिनकी जिम्मेदारी इन सड़कों और सार्वजनिक फुटपाथों की सुरक्षा की थी।

पहला मामला, जब इस तरह की शिकायत

रहवासियों ने गायब हुए फुटपाथ के लिए जिम्मेदार अतिक्रमणकारियों के साथ नगर निगम और पीडब्ल्यूडी के जिम्मेदार अधिकारियों पर भी एफआईआर की मांग की है। उनका कहना है कि देश की किसी स्मार्ट सिटी में संभवतः यह पहली ऐसी शिकायत है। अरेरा कॉलोनी में भूमाफियाओं ने आवासीय भूखंडों पर न सिर्फ अवैध मॉल बनाए, बल्कि 10 नंबर मार्केट के आसपास की सभी मुख्य सड़कों के फुटपाथ चोरी कर लिए। बावजूद जिम्मेदार कोई कार्रवाई नहीं कर रहे हैं।

सर्वे में साफ होगी तस्वीर- रहवासियों ने मांग की है कि पुराने नक्शे और रिकॉर्ड निकालकर फुटपाथ की पूर्व स्थिति और वर्तमान स्थिति का मिलान कराया जाए। यदि सरकारी रिकॉर्ड और मौके की स्थिति में अंतर मिलता है तो फुटपाथ कब्जाने वालों के साथ उन अधिकारियों को भी आरोपी बनाया जाए, जिनकी लापरवाही, संरक्षण या मिलीभगत से सार्वजनिक संपत्ति पर कब्जा हुआ।

सहज ध्यान योगः चिकित्सा विज्ञान के साथ समग्र स्वास्थ्य की ओर एक कदम

चिकित्सा विज्ञान की अनुषंगी सहज ध्यान योग से हमारा तात्पर्य यह है कि यदि आधुनिक चिकित्सा के साथ ध्यान योग को पूरक चिकित्सा पद्धति के रूप में अपनाया जाय तो यह तनाव कम करने, मानसिक स्वास्थ्य सुधारने, प्रतिरक्षा प्रणाली मजबूत करने और हृदय रोगों व पाचन समस्याओं जैसी स्थितियों में लाभकारी हो सकता है। सहज ध्यान योग से शारीरिक और मानसिक संतुलन स्थापित होता है, और यह निवारक, सहायक और पुनर्वास चिकित्सा का एक प्रभावी साधन सिद्ध होता है।

बीमारियाँ मन से गहराई से जुड़ी होती हैं, क्योंकि तनाव शारीरिक बीमारियों का कारण बनती है और मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करती हैं। मानसिक स्थितियाँ (जैसे डिप्रेशन, चिंता) शरीर को कमजोर कर सकती हैं, जिससे दर्द, थकान और अन्य शारीरिक लक्षण दिखते हैं। यह एक दोतरफा रिश्ता है जहाँ मन और शरीर एक-दूसरे पर गहरा असर डालते हैं, जैसे थायरॉयड की समस्या डिप्रेशन का कारण बन सकती है, और तनाव हृदय रोगों को बढ़ा सकता है। सहज योग की तकनीक में आत्मसाक्षात्कार की प्रक्रिया से गुजरते ही सुषुम्ना नाड़ी में सोई हुई कुंडलिनी शक्ति जागृत होकर मध्य नाड़ी यानि सुषुम्ना से ऊपर उठती है और सिर के ऊपर सहस्रार चक्र का भेदन करती है, जिससे साधक ब्रह्मांडीय ऊर्जा से जुड़ जाता है। चक्रों के जागृति से उसके अंदर स्वयं को देखने वाली दृष्टि आ जाती है जिससे वह अपने शारीरिक व मानसिक दोषों को देखकर उसे दूर करने की योग्यता पा लेता है। वैसे मामूली बीमारियों के लिए सिर्फ ध्यान योग ही काफी हो सकता है।

छात्रों ने तीन कारों को ठोका

स्कूल स्टाफ की गाड़ियों को मारी टक्कर, आरोपियों की सरेराह पिटाई का वीडियो

भोपाल (नप्र)। भोपाल में बुधवार को करोंद की सड़क पर तीन कारों में सवार युवक-युवतियों के कथित रोड रैश ने हड़कंप मचा दिया। आरोप है कि तेज रफ्तार में दौड़ रही एसयूवी, वर्ना और फ्रॉन्क्स कारों ने रास्ते में कई वाहनों को टक्कर मारी। इनमें सागर पब्लिक स्कूल का स्टाफ भी शामिल था। आरोप है कि कारों में सवार युवकों ने महिला स्टाफ के साथ अभद्रता और छेड़छाड़ की। विरोध करने पहुंचे स्कूल के पुरुष कर्मचारियों की गाड़ी को भी टक्कर मार दी गई। सबसे गंभीर सवाल हादसे के बाद पुलिस की कार्रवाई को लेकर उठ रहे हैं। पीड़ित स्टाफ का आरोप है कि डायल-112 पर सूचना देने के बावजूद निशातपुरा थाने से करीब एक घंटे तक कोई पुलिसकर्मी मौके पर नहीं पहुंचा। थाने का स्टाफ फोन पर लगातार लोकेशन पूछता रहा। वहीं राहगीरों ने एक युवक और युवती को मौके पर ही पकड़ लिया। उनकी जमकर पिटाई की गई। इसका वीडियो भी सामने आया है।

स्कूल स्टाफ की गाड़ियों को पीछे से मारी टक्कर- घटना सुबह करीब सात बजे की है। बच्चों की छुट्टियां होने के कारण सागर पब्लिक स्कूल का स्टाफ बस और अलग-अलग निजी वाहनों से स्कूल जा रहा था। इसी दौरान पीछे से तेज रफ्तार में तीन कारें आईं। कारों में सवार युवक-युवतियां नशे की हालत में थे और उन्होंने रास्ते में चल रहे वाहनों को टक्कर मारना शुरू कर दिया।

डिवाइडर से टकराई कार

रोड रैश के दौरान आरोपियों की एक कार डिवाइडर से टकराकर रुक गई। दूसरी गाड़ी भी कुछ दूरी पर रुक गई। इनमें से एक वाहन से तीन युवक और एक युवती नीचे उतरे। आरोप है कि उन्होंने स्कूल की महिला स्टाफ के साथ फिर अभद्रता की। इसी दौरान एक युवती ने दूसरी कार के कांच फोड़ दिए। सभी आरोपी दूसरी कारों में सवार होकर भाग निकले। पुलिस अब पूरे घटनाक्रम में शामिल सभी लोगों की पहचान और भूमिका पता करने में जुटी है। घटना के बाद करीब दर्जनभर लोग निशातपुरा थाने पहुंचे। पुलिस उनके बयान दर्ज कर रही है।

थाना प्रभारी बोले सभी आरोपी छात्र हैं- निशातपुरा थाने के प्रभारी मनोज पटवा ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की जा रही है। सभी चार आरोपियों की पहचान कर ली गई है। चारों रायसेन रोड पर स्थित दो अलग-अलग कॉलेज में बी.टेक की पढ़ाई कर रहे हैं।

भारी बारिश में महंगी पड़ी मस्ती

कजली खेड़ा पिकनिक स्पॉट पर तेज बहाव में फंसे 7 युवक

भोपाल (नप्र)। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में मूसलाधार बारिश के बीच मस्ती करना कुछ युवकों को भारी पड़ गया। पुराने भोपाल क्षेत्र के रहने वाले सात युवकों के लिए पिकनिक मनाना उस समय जान पर आफत बन गया, जब वे कजली खेड़ा थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले प्रसिद्ध फाटापान बाबाझिरी पिकनिक स्पॉट पर हादसे का शिकार होते-होते बचे। मंगलवार दोपहर करीब 3:00 बजे ये सभी युवक खुशनुमा मौसम का आनंद लेने के लिए यहां पहुंचे थे, लेकिन अचानक हुई तेज बारिश ने हालात पूरी तरह बदल दिए।

पहाड़ियों से उतरे पानी के तेज बहाव में फंसे युवक

दिन में अचानक हुई भारी बारिश के कारण आसपास की पहाड़ियों से भारी मात्रा में पानी नीचे उतर आया और पिकनिक स्पॉट के चारों तरफ तेजी से बहने लगा। पानी का बहाव इतना खतरनाक और तेज था कि युवकों को संभलने का मौका तक नहीं मिला। चारों तरफ बढ़ता जलस्तर देख सातों युवक अपनी जान बचाने के लिए एक ऊंचे टीले पर जा चढ़े और वहीं फंस गए। अपनी जान खतरे में देख घबराए युवकों ने तुरंत मोबाइल फोन के जरिए अपने परिजनों को इस खतरनाक स्थिति की जानकारी दी।

एसडीआरएफ और पुलिस ने बचाया

आपातकालीन सेवा 112 पर मिली सूचना- परिजनों ने मामले की गंभीरता को समझते हुए बिना देर किए तुरंत आपातकालीन सेवा 112 पर कॉल कर पुलिस को सूचित किया। मंगलवार शाम करीब 7:00 बजे जैसे ही पुलिस को इसकी जानकारी मिली, स्थानीय पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची और हालात का जायजा लिया। पानी का बहाव अत्यधिक तेज होने के कारण पुलिस ने किसी भी बड़ी अनहोनी से बचने के लिए एहतियात बरतते हुए स्थानीय लोगों को टीले की तरफ जाने से रोक दिया और फौरन एसडीआरएफ (एसडीआरएफ) की टीम को मौके पर तलब किया।

पुलिस, एसडीआरएफ और ग्रामीणों का संयुक्त रेस्क्यू ऑपरेशन

स्थिति से निपटने के लिए पुलिस, एसडीआरएफ और स्थानीय ग्रामीणों ने मिलकर एक संयुक्त रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया। ग्रामीणों की मदद से टीले तक सुरक्षित पहुंचने के लिए तीन संभावित रास्तों की पहचान की गई। कड़ी मशक्कत और सूझबूझ से चलाए गए इस अभियान के तहत आखिरकार सभी सातों युवकों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। युवकों के सकुशल वापस लौटने पर उनके परिजनों ने चैन की सांस ली है। प्रशासन ने एक बार फिर अपील की है कि बारिश के मौसम में ऐसे जोखिम भरे पिकनिक स्पॉट्स और झरनों के पास जाने से बचें। पानी का बहाव बहुत तेज था और युवक एक टीले पर फंसे हुए थे। एसडीआरएफ और स्थानीय ग्रामीणों के सहयोग से समय रहते सभी को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है।परिजनों द्वारा आपातकालीन सेवा 112 पर सूचना दिए जाने के बाद पुलिस और प्रशासन हरकत में आया।एसडीआरएफ, पुलिस और स्थानीय ग्रामीणों ने संयुक्त अभियान चलाकर सभी सातों युवकों को सुरक्षित रेस्क्यू किया।